श्रीमती सोनिया गांधी ने बीएचईएल द्वारा विनिर्मित दादरी पावर परियोजना चरण-II (2X490 मेगावाट) से सुसज्जित थर्मल यूनिट राष्ट्र को समर्पित की

नई दिल्ली, 09 सितम्बर: भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) द्वारा निर्मित मुख्य प्लांट उपस्कर से सुसज्जित उत्तर प्रदेश में दादरी में स्थापित नेशनल केपीटल थर्मल पावर प्रोजेक्ट चरण-II को आज यहां संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (UPA) की माननीय अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी ने राष्ट्र को समर्पित किया ।

980 मेगावाट थर्मल पावर प्रोजेक्ट जिसमें बीएचईएल द्वारा निर्मित 490 मेगावाट प्रत्येक की दो यूनिटे शामिल हैं इनके वाणिज्यिक प्रचालन के पश्चात संतोषजनक ढंग से कार्य कर रही हैं । उल्लेखनीय है कि ये यूनिटे अपनी तरह की पहली स्वदेशी डिजाइन्ड यूनिटे है कि जो उच्चतम रिहीट स्टीम टम्परेचर 565 डिग्री सेलसियस पर प्रचालन करती हैं । बेहतर हीट रेट के साथ इन अत्याधुनिक मशीनों द्वारा प्रति वर्ष, प्रति यूनिट 12,000 टन कोयले की खपत में कमी आयेगी । ये यूनिटे अत्याधुनिक कन्ट्रोल, इन्स्ट्रूमेंटेशन और मॉनीटरिंग प्रणाली से युक्त हैं ।

बीएचईएल इससे पूर्व नेशनल केपीटल थर्मल पावर प्रोजेक्ट, दादरी 4X210 मेगावाट चरण-I के लिये मुख्य प्लांट पैकेज जिसमें बॉयलर्स और स्टीम टरबाइन जेनरेटर्स शामिल हैं की आपूर्ति कर चालू कर चुकी है और इसी स्थान पर बीएचईएल ने एनटीपीसी के 817 मेगावाट कम्बाइन्ड साइकिल पावर परियोजना में योगदान दिया ।

बीएचईएल ने 1000 मेगावाट तक के थर्मल सेटों के विनिर्माण की अति आधुनिक तकनीक को पूर्णतः अपने यहां स्थापित कर लिया है । ग्राहकों की मांग को पूरा करने के लिये कंपनी ने 250 मेगावाट और 500 मेगावाट के अलावा नई रेटिंग के 270 मेगावाट , 525 मेगावाट और 600 मेगावाट के थर्मल सेटों को बाजार में उतारा है । बीएचईएल ने अभी तक 490/500/525/600 मेगावाट के 95 सेटों के ऑर्डर प्राप्त कर लिये हैं ।

बीएचईएल ने अपनी विनिर्माण श्रृंखला में 660 मेगावाट और उससे अधिक के सुपरक्रिटिकल थर्मल सेटों को शामिल किया है । इस समय बीएचईएल, एनटीपीसी, एपीजेनको, जयप्रकाश एसोसिएटस और रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के लिए सुपरक्रिटिकल परियोजनाओं को निष्पादित कर रही है जिसमें 9 बॉयलर्स और 7 टरबाइन जेनरेटर्स शामिल हैं ।

बीएचईएल, देश के विद्युत विकास कार्यक्रम के प्रति प्रतिबद्ध है और देश की विद्युत मांग को पूरा करने के लिये खुद को तकनीक, सुविधाओं व प्रशिक्षित कर्मचारियों से सुसज्जित कर भारतीय विद्युत विकास क्षेत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि करती है । कंपनी ने अपनी विनिर्माण क्षमता को बढ़ा कर 15000 मेगावाट प्रति वर्ष तक स्थापित कर लिया है और इसे बढ़ा कर 20,000 मेगावाट प्रति वर्ष करने का कार्य प्रगति पर है ।